मुहावरे

मुहावरे

वाक्य में जिस शब्द समूह का साधारण अर्थ न होकर विशेष अर्थ होता है उसे **मुहावरा** कहते हैं।

उद्धाहरण:

- अध्यापक के कक्षा में न होने के कारण विद्यार्थी बहुत शोर मचा रहे थे।
- ताजमहल की सुंदरता को देखकर लोग आश्चर्यचकित रह जाते हैं।
- अध्यापक के कक्षा में न होने के कारण विद्यार्थियों ने आसमान सिर पर उठा रखा था।
- ताजमहल की सुंदरता को देखकर लोग दाँतों तले उँगली दबा लेते हैं।

वैसे तो दोनों वाक्यों में एक ही बात कही गई है, परंतु 'ख' वाक्य 'क' की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली लग रहे हैं। जानते हो क्यों? इनमें सामान्य शब्दों के स्थान पर कुछ विशेष शब्दों का प्रयोग हुआ है।

जैसे:

- शोर मचाना की जगह **आसमान सिर पर उठाना,**
- आश्चर्यचकित रह जाना **की जगह दाँतों तले उँगली दबा लेना।**

किसी सामान्य शब्द के बदले विशेष तथा निश्चित अर्थ देने वाले जो शब्द प्रयुक्त किए जाते हैं, उन्हें **मुहावरे** कहा जाता है। दाँतों तले उँगली दबाना, आसमान सिर पर उठाना-मुहावरे हैं।

कुछ महत्वपूर्ण मुहावरे अर्थ तथा वाक्य-प्रयोग सहित

1. अपना उल्लू सीधा करना- अपना मतलब निकालना**।**

लोग अपना उल्लू सीधा करने के लिए चिकनी-चुपड़ी बातें किया करते हैं।

2. आँखें खुलना- समझ आना।

श्रीकृष्ण ने जब अर्जुन को गीता का उपदेश दिया, तो उसकी आँखें खुल गईं।

3. आकाश-पाताल एक करना- बहुत परिश्रम करना।

परीक्षा में प्रथम आने के लिए आकाश-पाताल एक करना पड़ता है।

4. आँखों में धूल झोंकना- धोखा देना।

चोर सिपाही की आँखों में धूल झोंककर चंपत हो गया।

मुहावरा	अर्थ	वाक्य में प्रयोग
आँखों का तारा	बहुत प्यारा	श्रीराम दशरथ की आँखों के तारे थे।
छक्के छुड़ाना	बुरी तरह हराना	शिवाजी ने मुगलों के छक्के छुड़ा दिए।
कान पर जूं तक न रेंगना	कुछ भी असर न होना	विभीषण ने अपने भाई रावण को बहुत समझाया, पर रावण के कान पर जूं तक न रेंगी।
ईंट-से-ईंट बजाना	पूरी तरह नष्ट कर देना	यदि कोई शत्रु भारत पर आक्रमण करेगा, तो हम उसकी ईंट-से-ईंट बजा देंगे।
नाक कटना	सम्मान खत्म हो जाना	दादा जी ने कहा-"यदि अतिथियों की अच्छी खातिरदारी नहीं हुई, तो हमारी नाक कट जाएगी।"
टका-सा जवाब देना	साफ़ इनकार कर देना	जब मैंने अपने मित्र धर्मदास से कुछ रुपए माँगे, तो उसने टका-सा जवाब दे दिया।
दाल में कुछ काला होना	संदेह की बात होना	दीनू को पुलिस पकड़कर क्यों ले गई? दाल में कुछ काला है।
नाकों चने चबवाना	बहुत परेशान करना	राणा प्रताप ने अकबर को नाकों चने चबवाए।
जान हथेली पर रखना	जोखिम उठाने को तैयार रहना	आज़ादी की लड़ाई में क्रांतिकारी जान हथेली पर रखकर निकलते थे।
टूट पड़ना	आक्रमण करना	भारतीय सेना शत्रु सेना पर टूट पड़ी।
खून खौलना	बहुत क्रोध आना	शत्रु द्वारा आक्रमण किए जाने की खबर सुनकर, सैनिकों का खून खौल उठा।
मुँह की खाना	हार जाना	महाभारत के युद्ध में कौरवों ने मुँह की खाई।
काम तमाम करना	मार डालना	पुलिस ने पाँच आतंकवादियों का काम तमाम कर दिया।
सिर चढ़ाना	किसी की आदतें खराब करना	उसने लाड़-प्यार में अपने बेटे को सिर चढ़ा रखा है।
हवा लगना	असर होना	गाँव से आए नौकर को थोड़े ही दिन में शहर की हवा लग गई।
हवा से बातें करना	बहुत तेज़ दौड़ना	शताब्दी एक्सप्रेस हवा से बातें करती है।
हाथ मलना	पछताना	पढ़ाई किया करो, अन्यथा बाद में हाथ मलते रह जाओगे।
हाथ बँटाना	सहायता करना	मैं अपने पापा के काम में हाथ बँटाता हूँ।

अन्य उद्धाहरण:

- **आँख लगना –** सो जाना।- पढ़ते-पढ़ते न जाने कब आँख लग गई।
- **आँख खुलना –** होश आना। – सब कुछ लुट जाने पर उसकी आँख खुली।